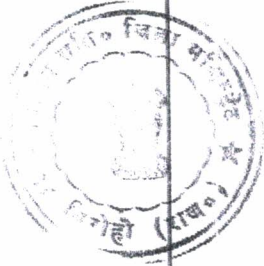


तारिख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज F.S.S.Act Case No. 03/2021	नम्बर व तारिख अहकाम जो इस हुक्म को तामिल बातें हुए
11.5.2022	<p>पत्रावली पेश हुई। सहायक अभियोजन अधिकारी उपस्थित। गैरसायल पन्नाराम पुत्र गेनाराम, जाति- मीणा, निवासी- खेजडीया, पुलिस थाना शिवगंज, जिला- सिरौही उपस्थित। गैरसायल की ओर से वकील श्री पूरण सिंह देवडा उपस्थित। गैरसायल ने लोक अदालत की भावना से प्रेरित होकर जुर्म/आरोप स्वीकारोक्ति का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण का आज ही निस्तारण करने का अनुरोध किया। जिस पर सहायक अभियोजन अधिकारी व गैरसायल के वकील की बहस सुनी गई। सहायक अभियोजन अधिकारी ने इस्तगासे में अंकित तथ्यों ध्यान आकर्षित करते हुए गैरसायल को सिरौही जिले से छः माह की अवधि के लिये निष्कासित करने का अनुरोध किया। जबकि गैरसायल के अधिवक्ता ने बहस के दौरान यह व्यक्त किया कि गैरसायल ने गैरसायल के विरुद्ध दर्ज धारा 13 आर.पी.जी.ओ. के मुकदमों में लोक अदालत की भावना से जुर्म स्वीकार करने के कारण गैरसायल को न्यायालय ने दोष सिद्ध ठहराया है। गैरसायल के विरुद्ध दिनांक 27.11.2021 के बाद कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। गैरसायल ने कभी शांतिमंग नहीं की है। गैरसायल गरीब व्यक्ति है जो मजदूरी कर अपना गुजारा कर रहा है। गैरसायल वर्तमान में किसी भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नहीं है। गैरसायल ने कभी भी शांति मंग नहीं की है, इसलिये गैरसायल के विरुद्ध प्रस्तुत कार्यवाही को ड्रॉप किया जावे। हमने सुनी गई बहस पर मनन किया एवं पत्रावली का गंभीरतापूर्वक अध्ययन एवं अवलोकन किया। पुलिस अधीक्षक, सिरौही की रिपोर्ट के अनुसार गैरसायल पन्नाराम पुत्र गेनाराम, जाति- मीणा, निवासी- खेजडीया, पुलिस थाना शिवगंज, जिला- सिरौही के विरुद्ध पुलिस थाना शिवगंज में धारा 13 राजस्थान पब्लिक गैम्बलिंग अध्यादेश के तहत अपराध संख्या 190 दिनांक 21.9.2020 एवं 237 दिनांक 27.11.2021 को दर्ज हुए हैं, जिनके प्रथम सूचना रिपोर्ट की प्रतियां न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध है। गैरसायल के विरुद्ध दर्ज उक्त मुकदमों में गैरसायल के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किये गये, जिनके आरोप पत्रों की प्रतियां भी न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध है। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों के अवलोकन से यह भी स्पष्ट है कि उक्त अपराध संख्या 190 दिनांक 21.9.2020 एवं 237 दिनांक 27.11.2021 में संबंधित न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक 13.10.2020 व 02.12.2021 के अनुसार गैरसायल को दोष सिद्ध ठहराया गया है। इससे स्पष्ट है कि कि गैरसायल राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 2(ख)(V) में वर्णित अपराध करने का दोषी है व गुण्डा की श्रेणी में आता है। पुलिस अधीक्षक, सिरौही की रिपोर्ट एवं पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्यों से यह स्पष्ट है कि गैरसायल जुआ संबंधी अपराधों में लिप्त रहा है, किन्तु दिनांक 27.11.2021 के बाद गैरसायल के विरुद्ध कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।</p> <p>अतः उपरोक्त सभी तथ्यों एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक, सिरौही द्वारा प्रस्तुत इस्तगासे को स्वीकार करते हुए गैरसायल पन्नाराम पुत्र गेनाराम, जाति- मीणा, निवासी- खेजडीया, पुलिस थाना शिवगंज, जिला- सिरौही को राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1975 की धारा 3 के परिप्रेक्ष्य में 15 दिन की अवधि के लिये पुलिस थाना क्षेत्र, शिवगंज से निष्कासित किया जाता है। इस निष्कासना</p>	नम्बर व तारिख अहकाम जो इस हुक्म को तामिल बातें हुए

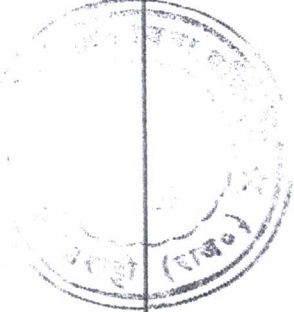


पत्रावली  
2/11/22  
जज

.....लगाता



अ  
भति. विभा. विस्तार  
सिरौही-317001

तारिख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज गुण्डा एकट मु.सं. 03/2022	नम्बर व तारिख अहकाम जो इस हुकम कीतामिल में जारी हुए
	<p>अवधि में गैरसायल बिना पूर्व अनुमति के पुलिस थाना क्षेत्र, शिवगंज की सीमा में प्रवेश नहीं करेगा, गैरसायल इस निष्कासन अवधि में एक सामान्य व अच्छे नागरिक की तरह जीवन यापन करेगा तथा किसी प्रकार के आपराधिक कृत्य नहीं करेगा। इसके अतिरिक्त, गैरसायल इस अवधि में किसी भी शैक्षणिक संस्था, धार्मिक स्थल, सार्वजनिक पार्क आदि के आस-पास अपनी उपस्थित नहीं देगा। गैरसायल उक्त निर्देश/निबन्धन एवं शर्तों का सम्यक पालन करने की दृष्टि से उक्त अधिनियम की धारा 7(1) के तहत राशि रुपये 20,000/- (अक्षरे रुपये बीस हजार मात्र) का स्वयं का बन्ध पत्र प्रस्तुत करेगा। आदेश सुनाया गया। माफिक आदेश गैरसायल ने स्वयं का बन्ध पत्र प्रस्तुत किया जो बाद तस्दीक शामिल मिसल किया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नंबर से कम हो तथा निर्णय की प्रति थानाधिकारी, पुलिस थाना, शिवगंज को पालनार्थ प्रेषित की जावे।</p> <p style="text-align: center;"><i>a</i> (कालूराम खौड़) अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सिरोही</p>	